Edu 765 - 3 12/14

AU - 7139

B.Ed. (First Semester) Examination, 2014

(Special Education: Hearing Impairment)

Education

Edu 765 - 3 12/14

Paper: First (Specialization)

[Facilitating Development of language and Communication Skill in Children with Hearing Impairment]

Note - सभी दोनों खण्डों के प्रश्न निर्देशानुसार हल करें।

Section - A (Objective Type Questions)

Answer - 1

(I) सम्प्रेषण कि परिभाषा - सम्प्रेषण एक प्रकार कि प्रक्रिया है ~~जिसके द्वारा~~ अपने विचारो, भावो, सूचनाओ का अदान - प्रदान, वाणी, संकेत, लिखित या व्यवहार के माध्यम से करते हैं।

Communication is a process of Exchanging, information, Ideas, thought, feeling and emotion through speech, signal, writing or behavior.

II. भाषा के कार्य -

(a) Communicate our Ideas.

(b) Social Interaction

(c) Emotional Exprission

(d) Instrument of Thought

(III) ~~Use~~ H.I. के भाषा विकास के दो सिद्धान्त

(a) Use of Multi Sensory Channel

(b) Useful language should be taught to the children

(c) Meaning full situation and Contex Should be used

(d) Language should be considered as a means to an end rather than an other end in itself.

(e) Language acquisition is a continuous process and not simply

(IV) H.I. ~~के~~ भाषाई सम्प्रेषण के कोई दो नाम –

(a) Oralism (b) Total Communication (C) Educational Bilingualism

(V) माता पिता के परामर्श के महत्व –

(a) वे अपने H.I. बच्चो को अन्य बच्चे के तरह समान समझे।

(b) H.I. बच्चों के प्रतिजागरुक हो और उन्हे पढ़ने का मौका दें।

(c) इन बच्चो को मुख्य धारा से जुड़ने में मदद करें।

(d) इन बच्चो के प्रति अन्य लोगो को जागरुक करें।

(VI) जार्गन (Jargan)

यह भाषा विकास का एक चरण है जिसमें बच्चे किसी बात को कहने के लिए अपने खुद के शब्द बनाते हैं। जिसका कोई अर्थ नहीं होता है।

(VII) M.R.M. – Maternal Reflective Method

Advocated by – Uden (1977)

(VIII) Reading Readingss – यह वाच्य क्षमता के विकास का प्रथम चरण है इस स्तर में शिक्षकों को विद्यार्थियों के परिवेश मे बोली जाने वाली भाषाओ को समझने के लिए तैयार किया जाता है। अर्थात पठन से पूर्व पठन (वाचन) कि तैयारी का अभ्यास कराया जाता है।

(IX) Literacy (साक्षरता) – साक्षरता का अभिप्राय लिखने और पढ़ने से है जिन व्यक्तियों मे ये दोनो गुण विकसित हो जाते हैं उनको साक्षर कहा जाता ~~सकता~~ है और उसके इस गुण को साक्षरता कहते हैं।

(X) Teacher Made Test – शिक्षक के द्वारा बच्चे के भाषा स्तर को, समझ स्तर को, ज्ञान स्तर को, कौशल स्तर, अभिव्यक्ति स्तर आदि को जानने के लिए जो मूल्यांकन अपनाये जाते हैं वे शिक्षक निर्मित परिक्षण कहलाते हैं।

Section-B

Note - कोई पांच प्रश्नो के उत्तर दीजिए-

Answer - 2

Language -

"Language is a set of (Finite or Infinite) sentences each finite in length and constructed out of a finite set of elements."

According to Chomsky

"ध्वन्यात्मक शब्दो के द्वारा हृदयगत भावो को व्यक्त करना भाषा है"

सिवद्

"भाषा यादृच्छिक, रूढ़, सार्थक ध्वनि संकेतो की व्याकरणिक व्यवस्था है"

भाषा कि प्रकृति — (Nature of Language)

1. Arbitrariness
2. Rule Governed
3. Creativity / Productive
4. Displacement
5. Cultrural transmission
6. Duality

पूर्व आवश्यकताएं — (Prerequisites of language)

1. Innate Linguistic Capacity
2. Normal Cognitive Capacity
3. Normal Sensory Perceptual Abilities
4. Language Input

Answer No 3

Oralism -

The Philosophy, which desires to develop verbal language in the deaf children through aural/oral mode can be called as oralism.

Philosophy of Oralism –

(a) More Emphasis on Social Goals.
(b) Emphasis on Residual Hearing.
(c) Motto : Speech through Speech
(d) Role of Speech in Oralism
(e) Role of Manual Communication
(f) Role of Visual Communication

Justification –

(a) Need of Speech
(b) Developments in Audiology, speech science and special Education

Advantages –

(a) बच्चे मे मौखिक रूप से वाणी क्षमता का विकास होता है
(b) बच्चे कि बची हुई ~~श्रव~~ श्रवण क्षमता का उपयोग
(c) बच्चे का सामाजिक विकास होता है
(d) बच्चे के बोलने कि क्षमता पर बल दिया जाता है।
(e) आडियोलाजी, स्पीच साइंस व special education के विकास के द्वारा इसके प्रयोग की भूमिका बढ़ती है।

Disadvantages –

(i) Language Delay
(ii) The struggle for communication and language.
(iii) Inadequacy of technological Development
(iv) Prerequisites of Oral Success.

Answer-4

Role of care giver in inclusive and residential special school set up and also write the role of community awareness-

Care Giver-

भारत सरकार के द्वारा विकलांग व्यक्तियो / बच्चो हेतु National Trust का गठन किया गया इसके माध्यम से विकलांग व्यक्तियो के लिए मासिक 600 रु. देकर रख रखाव, देखरेख के लिए इनकी नियुक्ति कि जाये कि बात की गयी। ये व्यक्ति विशेष आवश्यकता वाले बच्चो को शिक्षा देने का प्रशिक्षण प्राप्त करके वे बाद में अपने आस पास के लोगो को विकलांगता सम्बन्धित जागरूकता देते हैं।

Inclusive set up मे- इस प्रकार के स्कूल मे सामान्य बच्चो के साथ साथ विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को साथ साथ पढाने की बात की जाती है। इस प्रकार के विद्यालय मे Care Giver इस प्रकार के बच्चो को उनके उठने, बैठने, उनके आने, जाने उनको अन्य कार्य के लिए उत्साहित करने की बात को सीखाते है। इसमे उनको सामान्य बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करना है इसको सीखाते हैं।

Residential Special School मे-

इस प्रकार का विद्यालय एक प्रकार का आवासीय विद्यालय होता है जिसमें कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चे यहीं आवास में रह कर विद्यालय में पढाई करते हैं। इस प्रकार के विद्यालय मे Care Giver की भूमिका महत्वपूर्ण रहती है ये बच्चे इन्हीं के देखरेख में किस प्रकार से अपने दैनिक जीवन के क्रिया कलाप को करते है इसको सीखते हैं इसके अन्तर्गत नित्यक्रिया, ब्रस करना, नहाना, खाना, खाने, अपने कापी किताब के प्रयोग तथा अपने द्वारा उपयोग किये जाने वाले कपड़ो को कैसे उपयोग करते है इन सब क्रिया कलाप को सीखते हैं।

समुदाय के जागरूकता मे भूमिका-

(i) लोगो को विशेष आवश्यकता वाले बच्चो के बारे में बताना

(ii) जल्द से जल्द पहचान तथा शीघ्र हस्ताक्षेप विषय को बताना।

(iii) विकलांग व्यक्तियों को समर्थ बनाने में मदद।

(iv) परिवार के लोगों को जागरूक करना

(v) समुदाय मे रह रहे लोगों को इन बच्चो के विषय मे अवगत कराना

(vi) समुदाय में इन बच्चो के बारे में बता कर इनके प्रति सकारात्मक दृष्टि कोण बनाना

(vii) समुदाय में इन बच्चो को सामान्य बच्चो की ही तरह है तथा

Answer No - 5

Language Assessment -

Assessment is process of finding out present status of skills / knowledge / development / functioning of an individual or a group, which can be used purposefully in future.

मूल्यांकन वह प्रक्रिया है जिसमे किसी व्यक्ति विशेष या समूह के कौशल ज्ञान का विकास एवं कार्य करने की क्षमता का विकास की वर्तमान स्थिति का पता लगाते है जिसका उपयोग भविष्य मे किसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए किया जा सके।

Then describe the key word involved in this definition -

(a) Process -

(b) Find out Present status -

(c) Of Individual / Group

(d) Skill / Knowledge / Development / Functioning

Type of Assessment

(I) Formal (II) Informal

* Formal Vs Informal ~~Informal~~

⇒ Consistency Vs Inconsistent

⇒ Qualitative Vs Quantitative

⇒ Applicability

⇒ General skills Vs Specific Skills

⇒ Tool Dependent Vs User Dependent

⇒ Rigidly Vs Flexibility

⇒ Norm Reference Vs Criterion

Answer No - 6

Developmental Phases of language in Non-Impaired Children

सामान्य बालको के भाषा विकास मे कई विद्वानो ने अध्ययन के उपरान्त यह निष्कर्ष निकाला कि भाषा विकास को Early Childhood period के आधार पर दो भागो मे बाँट सकते हैं -

(I) Prelinguistic Phase   II Linguistic Phase

(I) Prelinguistic Phase -

(a) प्रथम माह ।   (b) पहले माह से 4 माह तक ।

(c) चौथे माह से 8 माह तक ।   (d) 9वें माह से 12वें माह तक ।

(II) Linguistic Phase

(a) ~~11~~ 11वें माह से 18 माह तक (One word stage)

(b) 18वें माह से 24 माह तक (Two word stage)

(c) Beyond Two words - 3 years or words

Answer No - 7

Short Note on Any two of the following -

(I) Visit (भ्रमण) -

किसी भी स्थान को देखने जाने का तात्पर्य ~~से~~ भ्रमण से समझा जाता है। H.I. बच्चों कि शिक्षा के लिए ही नहीं बल्कि यह हर प्रकार की शिक्षा में उपयोगी है। जिसके द्वारा बच्चो को स्थान विशेष कि ज्ञान - कारी होती है। ~~परन्तु~~ यह H.I. बच्चों की शिक्षा के साथ भ्रमण जैसे कार्यक्रम का संचालन अत्यन्त उपयोगी होता है। यह मात्र स्थान देखने से सम्बन्धित नही होता बल्कि उन परिस्थितियों से सम्बन्धित ~~होता है~~ भाषा का विकास करना भी महत्वपूर्ण समझा जाता है।

P.T.O.

भ्रमण का उद्देश्य -

भ्रमण करने के स्थान का चुनाव :-

भ्रमण कराने के तरीके :-

(i) प्रथम भाग (ii) द्वितीय भाग

निष्कर्ष —

II (कविता)

भाषा विकास के सन्दर्भ में कविता एंव गीत महत्वपूर्ण पहलू के रूप मे जाना जाता है। साथ ही साथ शब्द व वाक्य के वाचन में भी महत्वपूर्ण स्थान है। कविता भाषा या अनुच्छेद के रूप में लिखी और पढ़ी जाती है जिसमे अधिकांश लय की आवश्यकता पड़ती है। किसी वाक्य अथवा कविता पाठ का वाचन करते समय यदि सम्बोधक कारको (चिन्हों) का ध्यान न दिया जाय तो वाक्य या शब्द का अर्थ स्पष्ट नही हो जाता जिससे वह उपयोगी या सार्थक भाषा के रूप मे अर्जित नही हो पाती है।

कविता के उद्देश्य -

कविता पाठ का चुनाव -

कविता पाठ कहने के तरीके -

~~निष्कर्ष~~ निष्कर्ष -

(III) Functional Reading

इसके अन्तर्गत H.I. बच्चो को प्राथमिक स्तर गतिविधियो के माध्यम से पढ़ाया जाता है और हर गतिविधि के साथ औपचारिक रूप से अर्थात लिखित भाषा के माध्यम से बच्चों को पढ़ाया जाता है Ex - D.A., story, visit etc. इसके अन्तर्गत सभी जानकारीयो को उदाहरण के द्वारा बच्चो बताना होता है तथा बच्चो को प्रोत्साहित करना होगा कि वह अपने कार्य के साथ सम्य वाचन कौशल कर सकते है।

(IV) Recretional Reading

इस प्रकार के वाचन का सीधा सीधा उद्देश्य बच्चे अपने रुचि के अनुसार महौल बना कर वाचन करना। इसमें बच्चे अपने रुचि के अनुसार किताबो, कहानियो का, बेहतरीन चित्रो वाली किताबो का चयन की छूट देना जिससे उन्हे रुचिपूर्ण ढ़ंग से वाचन करने का अवसर प्रदान हो